प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - I

कक्षा-X

हिंदी पाठ्यक्रम- 'अ'

कोड संख्या - 002

समय - 3 घंटे **अंक - 100**

प्र०संख्या	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	
1	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए :**	
	क) हिंदी किस भाषा - परिवार की भाषा है ?	1
	ख) मध्य प्रदेश और बिहार में शासन और शिक्षा की भाषा कौन - सी है ?	1
	ग) बिहार में बोली जाने वाली किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए।	1
	घ) संपर्क भाषा से आप क्या समझते हैं ?	1
2	**कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :**	
	क) वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द .....क्हा जाता है। (रिक्त-स्थान की पूर्ति उपयुक्त शब्द द्वारा कीजिए)	1
	ख) उसके ———— तुम कहीं नहीं ठहर सक ते। (अव्यय द्वारा रिक्त-स्थान की पूर्ति कीजिए)	1
	ग) मोहन मकान देख रहा है। (क्रिया का भेद बताइए)	1
	घ) रेखा नवीं कक्षा में पढ़ती है। (रेखांकित का पद-परिचय दीजिए)	2
3	**निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :**	
	क) वह अध्यापक था, जो कल यहाँ आया था। (उपवाक्य का भेद लिखिए)	1
	ख) तुम्हारा मित्र आज विद्यालय नहीं जाएगा। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलकर लिखिए)	1
	ग) घायल सैनिक उठा। शस्त्र उठाया। शत्रुओं से लड़ने लगा।(वाक्य - संश्लेषण कीजिए)	1
	घ) आपकी यात्रा मंगलमय हो। (अर्थ के अनुसार वाक्य - भेद बताइए)	1
4	क) श्लेष अथवा उपमा अलंकार का कोई एक उदाहरण दीजिए।	1
	ख) रेखांकित पदों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :	
	i) चरण कमल बन्दौ हरिराई।	1
	ii) मनो नीलमणि सैल पर आतप पर्‌यो प्रभात।	1
	iii) तरनि तनुजा तट तमाल ---- तरुवर बहु छाए।	1
	खण्ड 'ख'	
5	**दिए गए बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए:**	
	क) **आओ, भारत सँवारें** - देश-प्रेम, भ्रष्टाचार मुक्त देश, सभी को स्वास्थ्य सेवाएं, व्यवहार में पारदर्शिता।	8
	ख) **पर्वतीय सौन्दर्य** - महत्त्व, मानव - प्रेम, संरक्षण के प्रति जनता का कर्तव्य, मानव के लिए लाभप्रद।	
	ग) **मित्रता बड़ा अनमोल रत्न** - जीवन की सरसता के लिए मित्र की आवश्यकता, जीवन-संग्राम में मित्र महत्त्वपूर्ण, सच्चे मित्र की परख और चुनाव, सच्ची मित्रता बनाए रखने के लिए सतर्कता, सच्चा मित्र मिलना सौभाग्य की बात ।	
	घ) **शहरी जीवन में बढ़ता प्रदूषण** - शहरों का निरंतर विस्तार, बढ़ती जनसंख़्या, शहरों में बढ़ते विविध प्रकर के प्रदूषण, प्रदूषण की रोकथाम के उपाय !	

प्र०संख्या	प्रश्न	अंक
6	कुछ विभागों के सूचनापट्टों पर अशुद्ध हिंदी लिखी मिलती है। इस ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी प्रसिद्ध पत्र के संपादक के नाम एक पत्र लिखिए।	4
	अथवा	
	बड़े भाई के विवाह में सम्मिलित होने के लिए अपने मित्र को निमंत्रणपत्र लिखिए।	
7	**निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग एक - तिहाई शब्दों में लिखिए :**	
	सरकार अखबारों में तो महँगाई कम करने की बात करती है, पर वह भी महँगाई बढ़ाने में किसी से कम नहीं है। सरकारी उपक्रम भी अपने उत्पादों के दाम बढ़ाते रहते हैं। वे अपने उद्देश्य को भुला बैठते हैं कि उन्हें इसलिए शुरु किया गया है कि भावों पर नियंत्रण कर सकें। उत्पादन के नाम पर सरकार लम्बी-चौड़ी योजनाएँ बनाती है, पर उनका क्रियान्वयन पूरी तरह से नहीं हो पाता । इस जानलेवा महँगाई ने आम लोगों की कमर तोड़कर रख दी है। अब उन्हें दो समय का भोजन जुटाना तक कठिन हो गया है। आवास-समस्या पर भी महँगाई की मार पड़ी है। शहरों में दो कमरों का फ्लैट चार हज़ार रुपए महीने से कम किराए पर नहीं मिल पाता। कपड़ों का तो कुछ पूछिए ही नहीं। यह सही है कि हमारी आवश्यकताएँ बढ़ती जा रहीं हैं और इसने भी महँगाई को बढ़ाने में योगदान दिया है, पर विकासशील राष्ट्र में ऐसा होता ही है। महँगाई के लिए अंधाधुंध बढ़ती जनसंख्या भी उत्तरदायी है। इस पर हमें नियंत्रण करना होगा।	3
	खण्ड 'ग'	
8	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**	
	महानगरों में भीड़ होती है, भीड़ उसे कहते हैं, जहाँ लोगों का जमघट होता है। लोग तो होते हैं, लेकिन उनकी छाती में ह्रदय नहीं होता। सिर होते हैं; लेकिन उनमें विचार और बुद्धि नहीं होती। हाथ होते हैं लेकिन उन हाथों में पत्थर होते हैं, विध्वंस के लिए। वे हाथ निर्माण के लिए नहीं होते। यह भीड़ एक अंधी गली से दूसरी अंधी गली की ओर जाती है, क्योंकि भीड़ में होने वाले लोगों का आपस में कोई रिश्ता नहीं होता। वे एक दूसरे के कुछ भी नहीं लगते। सारे अनजान लोग इकट्ठे होकर विध्वंस करने में एक दूसरे का साथ देते हैं, क्योंकि जिन इमारतों, बसों या रेलों में ये तोड़-फोड़ का काम करते हैं, वे उनकी नहीं होती और न ही उनमें सफर करने वाले उनके अपने होते हैं। महानगरों में लोग एक ही बिल्डिंग में पड़ोसी की तरह रहते हैं, लेकिन यह पड़ोस भी संबंध-रहित होता है। पुराने जमाने में दही जमाने के लिए जामन माँगने पड़ोस में लोग जाते थे, अब हर 'फ्लैट' में फ्रिज है, इसलिए जाने की भी ज़रूरत नहीं रही। सारा पड़ोस, सारे संबंध इस फ्रिज में 'फ्रीज़' हो गए हैं।	
	क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।	1
	ख) 'सिर होते हैं,पर उसमें विचार और बुद्धि नहीं होती' लेखक ने ऐसा क्यों कहा ?	1
	ग) लेखक ने भीड़ की मुख्य विशेषता क्या बताई है?	1
	घ) ''सारे संबंध फ्रिज में 'फ्रीज़' हो गए हैं,'' कैसे?	1
9	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**	1x4=4
	'ज़िंदगी वहीं तक नहीं, ध्वजा जिस जगह विगत युग ने गाड़ी, मालूम किसी को नहीं, अनागत नर की दुविधाएँ सारी। 'सारा जीवन नप चुका,' कहे जो, वह दासता - प्रचारक है। नर के विवेक का शत्रु, मनुज की मेधा का संहारक है। जो कहे, सोच मत स्वयं, बात जो कहूँ, मानता चल उसको, नर की स्वतंत्रता की मणि का, तू कह अराति प्रबल उसको। नर के स्वतंत्र चिन्तन से जो डरता, कदर्य, अविचारी है, बेड़ियाँ बुद्धि को जो देता, जुल्मी है, अत्याचारी है।'	
	क) 'सारा जीवन नप चुका' कहने वाला दासता का प्रचारक कैसे है ?	
	ख) बुद्धि को बेड़ियां देने से क्या आशय है ?	

प्र०संख्या	प्रश्न	अंक
	ग) प्रस्तुत काव्यांश में *'स्वतंत्रता की मणि का शत्रु'* किसे कहा गया है ? घ) *'मनुज की मेधा का संहारक है'* - इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।	
	खण्ड 'घ'	
10	**पाठ्य पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** क) 'मैने जो कुछ अध्ययन और अनुभव से सीखा है, वह यही है कि महत्त्व किसी कार्य की विशालता में नहीं है, उस कार्य को करने की भावना में है। बड़े से बड़ा कार्य हीन है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना नहीं है और छोटे से छोटा कार्य भी महान् है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना है।' (i) कार्य करने की भावना कार्य से अधिक महत्त्वपूर्ण कैसे है ? (ii) लेखक इस निष्कर्ष पर कैसे पहुँचा ? ख) 'मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है, जो उसके जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्व-निर्धारित आत्मबंधन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाता है।' (i) प्रेम, मैत्री आदि में मनुष्य की चरितार्थता कैसे है? (ii) नाखून बढ़ाने या काटने का इससे क्या संबंध है ?	 2 2 2 2
11	*'नींव की ईंट'* पाठ के आधार पर आप नींव की ईंट या कंगूरे की ईंट में कौन-सी ईंट बनना पसन्द करेंगे और क्यों? कोई तीन कारण लिखिए।	3
12	*'खाना खिलाने का राष्ट्रीय शौक'* पाठ में *'प्रदर्शन और कर्ज़ के तले दबना'* मध्यवर्ग की मानसिकता को दर्शाता है। क्यों और कैसे? अपने विचार व्यक्त कीजिए।	3
13	*'डायरी के पृष्ठों से'* पाठ में स्कूल मास्टर को किन-किन दुखों का सामना करना पड़ा ?	3
14	*'महामानव निराला'* पाठ के आधार पर निराला जी के चरित्र की किन्हीं तीन विशेषताओं का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।	3
15	*'पूस की रात'* कहानी का उद्देश्य 20-30 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	2
16	*'ठूँठा आम'* मानव के उपयोगितावादी दृष्टिकोण को दर्शाता है, कैसे ?	3
17	**निम्नलिखित काव्यांशों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** क) जोग 'ठगौरी ब्रज न बिकैहैं। मूरी के पातिन के बदलै, को मुक्ताहल दैहैं।। यह व्यापार तुम्हारो ऊधौ, ऐसै ही धरयो रैहैं। जिन पैं तै ले आए ऊधौ, तिनहि के पेट समैहैं।। दाख छाँड़ि कै कटुक निबौरी, को अपने मुख खैहैं। गुन करि मोही सूर साँवरैं, को निरगुन निरबैहैं। i) गोपियों ने उद्धव के किस व्यापार को व्यर्थ बताने के लिए कौन - से तर्क दिए ? ii) 'को निरगुन निरबैहैं' से क्या अभिप्राय है ? ख) 'ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे। जो है जहाँ चुपचाप अपने आपसे लड़ता रहे। जो भी परिस्थितियाँ मिलें, काँटे चुभें , कलियाँ खिलें, हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही ।'	 2 2

प्र०संख्या	प्रश्न	अंक
	(i) *'जो है जहाँ चुपचाप अपने आपसे लड़ता रहे'* पंक्ति में *'अपने आप से लड़ने'* का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।	2
	(ii) *'काँटे'* और *'कलियाँ'* यहाँ किसके प्रतीक हैं ?	2
18	**निम्नलिखित काव्यांश का भाव - सौंदर्य तथा शिल्प - सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :** सहज सुभाय सुभग तन गोरे। नामु लखनु लघु देवर मोरे।। बहुरि बदनु बिधु अंचल ढाँकी। पिय तन चितइ भौंह करि बाँकी।। खंजन मंजु तिरीछे नयननि। निज पति कहेहु तिन्हहि सिय सयननि।। भई मुदित सब ग्राम वधूटी। रंकन्ह राय रासि जनु लूटी।।	4+4=8
19	(क) *'प्रतीक्षा'* कविता में कवयित्री मानव को क्या-क्या संदेश देना चाहती है ?	3
	(ख) *'मृत्तिका'* कविता में पुरुषार्थ को देवत्व क्यों कहा गया है ?	3
20	रामधारी सिंह *'दिनकर'* अथवा *'भीष्म साहनी'* का जीवन - परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए और उनकी किन्हीं दो रचनाओं के नाम भी लिखिए।	3
21	(क) 'सुभाषचन्द्र बोस का पत्र एन. सी. केलकर के नाम' पाठ में जेलों को मानव के किस कृतित्व की निशानी कहा गया है ?	2
	(ख) 'काश ! मैं मोटर साईकिल होता' पाठ का लेखक मनुष्य की कौन - सी मानसिकता को उजागर कर रहा है ?	2
	(ग) 'बेटी ! सरकारी भत्ते की तरह तेरा स्नेह भी देर से मिला' — 'समानान्तर सरल-रेखाएँ' पाठ के इस वाक्य में किस पर व्यंग्य किया गया है और क्यों ?	2
	(घ) *'कोटर और कुटीर'* पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि धन-सम्पत्ति, मान और बड़ाई सब बुद्धन को तुच्छ क्यों लगने लगे ?	4

अंक-योजना
हिंदी पाठ्यक्रम- 'अ'
कक्षा- x (प्रश्नपत्र – I)

अधिकतम अंक– 100

आवश्यक निर्देश : (i) परीक्षक प्रश्न के पूरे उत्तर को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

(ii) अंक–योजना के अनुसार प्रश्न के समस्त उत्तर–बिंदुओं को देखें और अंक–योजना में वितरित किए गए अंकों के आधार पर ही परीक्षार्थी को अंक दें।

(iii) उत्तर के आरंभ की कुछ अस्पष्ट अथवा ग़लत पंक्तियों को पढ़कर ही पूरा उत्तर बिना पढ़े ही अनायास न काट दें। उत्तर सहानुभूतिपूर्वक पढ़ा जाए।

(iv) यदि उत्तर परीक्षार्थी के स्तरानुसार पूरी तरह ठीक है तो उसे शत–प्रतिशत अंक दिए जाएँ।

प्र०संख्या	उत्तर-संकेत / मूल्य-बिंदु	अंक
	खण्ड- 'क'	
1	क) भारतीय आर्य भाषा - परिवार	1
	ख) हिंदी (खड़ी बोली)	1
	ग) छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी, मैथिली, (कोई दो)	1
	घ) दो भिन्न भाषा - भाषियों के बीच परस्पर विचार विनिमय की भाषा ।	1
2	क) पद	1
	ख) सामने / सम्मुख / आगे	1
	ग) सकर्मक	1
	घ) (i) रेखा - व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्त्ताकारक।	2
	(ii) पढ़ती है - क्रिया, अकर्मक, वर्तमान काल।	
3	क) विशेषण उपवाक्य।	1
	ख) क्या तुम्हारा मित्र आज विद्यालय नहीं जाएगा ?	1
	ग) घायल सैनिक शस्त्र उठाकर शत्रुओं से लड़ने लगा।	1
	घ) इच्छावाचक।	1
4	क) ठीक उदाहरण लिखने पर पूरे अंक दिए जाएँ	1
	ख) i) रूपक	1
	ii) उत्प्रेक्षा	1
	iii) अनुप्रास	1
	खण्ड-'ख'	
5	**निबंध-लेखन :**	
	क) भूमिका / प्रस्तावना के लिए	1
	ख) विषय-सामग्री का प्रतिपादन (कम से कम चार बिंदुओं का प्रतिपादन)	4
	ग) अंत / उपसंहार	1
	घ) भाषा शैली के लिए	2
6	**पत्र-लेखन :**	
	क) औपचारिकताओं के लिए (ऊपर और नीचे लिखी जाने वाली औपचारिकताएँ)	1+1
	ख) विषय-सामग्री	2
7	उपयुक्त सार लिखने पर पूरे अंक दिए जाएँ	3

8	क) उपयुक्त शीर्षक लिखने पर पूरे अंक दिए जाएँ	1
	ख) लेखक के अनुसार व्यक्ति दूसरों के सुख-दुख पर ध्यान नहीं देते, उनमें संवेदना नहीं है।	1
	ग) इसीलिए 'भीड़' कहा है, क्योंकि लोग संवेदनहीन हैं, उनमें एक दूसरे के प्रति लगाव नहीं है।	1
	घ) जिस तरह ठण्डी चीज़ फैलती नहीं है, उसमें ऊष्मा नहीं होती, उसी प्रकार लोगों के संबंधों में भी ऊष्मा नहीं है।	1
9	क) जो व्यक्ति जीवन में विकास की संभावनाएँ नहीं देखता और यह सोचता है कि भावी जीवन में विकास और वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं,वह दास भाव का समर्थक कहा जाएगा।	1
	ख) 'बुद्धि को बेड़ियाँ' देने का आशय है – सोचने समझने की शक्ति को कुन्द करना, सोचना बंद कर देना।	1
	ग) 'स्वतंत्रता रूपी मणि' का शत्रु वह है, जो यह कहता है कि बिना सोचे - समझे ही मेरी बात को मानो।	1
	घ) संहारक-मारने वाला / नष्ट करने वाला मेधा - बुद्धि	1
10	क) उपयुक्त उत्तर देने पर पूरे अंक दिए जाएँ ।	2+2= 4
	ख) उपयुक्त उत्तर देने पर पूरे अंक दिए जाएँ ।	2+2= 4
11	नींव की ईंट बनना पसन्द करेंगे, क्यैंकि पूरी इमारत मज़बूत नींव पर ही टिकी रहती है , भले ही वह दिखाई न दे, मगर मकान का आधार वही है। वह बलिदान का प्रतीक होती है और बलिदान पर ही निर्माण और विकास निर्भर करता है। (प्रत्येक बिंदु के लिए एक–एक अंक दें)	3
12	क्योंकि मध्यवर्ग उच्च और निम्न दो पाटों के बीच फँसा हुआ है। उसकी दृष्टि उच्चवर्ग पर लगी रहती है और वह दिखावे के लिए कर्ज़ लेता है। मज़बूर है, उसे बदनामी का डर लगा रहता है।	3
13	i) माँ की ममता से वंचित थे। ii) पत्नी की सहानुभूति से वंचित थे। iii) समाज में अपनी योग्यता और सामर्थ्य से नीचा जीवन गुजारने को अभिशप्त थे।	3
14	i) कविता लिखने में बहुत परिश्रम करते थे । ii) हर पंक्ति, हर शब्द के संगीत और उसकी व्यंजना पर ध्यान देते थे। iii) साहित्यकारों का सम्मान करते थे। iv) धन और वैभव का सम्मान न कर, बड़े-छोटे से समान भाव से मिलते थे। (कोई ३ बिंदु लिखने पर पूरे अंक दें।)	3
15	i) गरीब किसानों की दयनीय दशा पर प्रकाश डालना। ii) ज़मीदारों के जुल्मों को सहना। iii) गरीबों को शोषित, अपमानित और विवशता की ज़िन्दगी जीने पर मज़बूर करना। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित, प्रत्येक बिंदु के लिए १ अंक दें।)	2
16	वैभवशाली दिनों में सभी का ठूँठे आम से लाभ उठाना। वहाँ चहल-पहल रहना, क्योंकि उस समय उसमें रस और शक्ति थी, परन्तु रस सूखने पर मुँह मोड़ लेना।	3

17	क) i) आपका योग मूली के पत्तों की तरह है, कड़वी निबौरी है। योग के द्वारा हमें कृष्ण-भक्ति से अलग नहीं किया जा सकता। (किन्हीं दो का उल्लेख करने पर २ अंक) ii) जो कभी दिखाई नहीं देता, उस पर कैसे गुजर- बसर-किया जा सकता है। ख) i) संघर्ष करते रहना ही जीवन है। आलस्य अथवा प्रमाद से टक्कर लेना ही अपने आप से लड़ना है। ii) 'काँटे' – दुख व 'कलियाँ ' – सुख का प्रतीक हैं, क्योंकि काँटे चुभन देते हैं, दर्द पैदा करते हैं। कलियां सुख देती हैं, प्रसन्न रखती हैं, गुदगुदा देती हैं। वे सुख की प्रतीक हैं।	2 2 2
18	क) भाव-सौन्दर्य : सीता का सहज व सरल स्वभाव दिखाना। आँखों के संकेतों का चित्रण किया गया है। स्त्री स्वभाव का सहज-स्वाभाविक चित्रण किया गया है। सुन्दर नेत्रों को तिरछा करना, मन ही मन सकुचाना आदि भावों का चित्रण करने पर एक - एक अंक दें। ख) शिल्प-सौन्दर्य : काव्यमय शब्द-चित्र जगह-जगह अनुप्रास अलंकार की छटा 'खंजन मंजु, तिरीछे नयननि' में रूपक अलंकार रंकन्ह राय रासि जनु लूटी--उत्प्रेक्षा अलंकार चौपाई छन्द,ललित पदावली अवधी भाषा की सुंदर अनुगूँज।	4 4
19	क) मनुष्य को वर्तमान समय में अपने कार्य बड़ी लगन और प्रसन्न भाव से करने चाहिए। फल की धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करनी चाहिए। पौधे पर फल-फूल लगेंगे ही, परन्तु इन्तज़ार करना चाहिए। ख) क्योंकि पुरुषार्थ से ही सफलता मिलती है, संघर्ष की प्रेरणा मिलती है और व्यर्थ पड़ी मिट्टी को पुरुषार्थ ही नए-नए रूपों में ढाल देता है, इसलिए उसे देवत्व की संज्ञा दी गई है।	3+3
20	**'दिनकर'** - जन्म- 1908 में बिहार में, बी.ए. पास, अध्यापन कार्य में संलग्न पद्मभूषण, साहित्य-अकादमी, ज्ञानपीठ' पुरस्कारों से सम्मानित। 'रेणुका', 'हुंकार', 'कुरुक्षेत्र', 'उर्वशी', रश्मिरथी रचनाएँ। (किन्हीं चार का उल्लेख) जीवन-परिचय - 1 अंक साहित्यिक परिचय - 1 अंक कृतियाँ - 1 अंक **'भीष्म साहनी' :** जन्म- पाकिस्तान के रावलपिण्डी में 1915 में, अंग्रेजी में एम. ए., पी. एच. डी., अध्यापन कार्य से जुड़े रहे। साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित, नाटक पर आधारित धारावाहिकों का लेखन। रचनाएँ- भाग्य रेखा, भटकती राह , पहला पाठ।	3

21	क) जेलों की कष्टकारक परिस्थितियों को मनुष्य ने बनाया है, जिससे मनुष्य के स्वाभिमान और आत्मा का हनन हो रहा है। ख) धन मनुष्य से अधिक महत्त्वपूर्ण है। कार्य के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण। मनुष्य स्वार्थी हो गया है। ग) सर्वस्व बलिदान करने पर भी सुध लेने वाला कोई नहीं है। सरकारी तन्त्र की धीमी कार्यप्रणाली पर व्यंग्य किया गया है। पुत्रवधू मधुमिता भी मतलबी रिश्ता ही बनाना चाहती है। घ) बुद्धन को जब पता चला कि गोकुल भी उसी की तरह ईमानदार, स्वाभिमानी, निर्लोभ तथा सच्चरित्र है और अत्यधिक गरीबी के बाद भी इतना ईमानदार है कि महतो का बटुआ लौटा देता है तो आनन्दातिरेक के कारण वह तृप्त हो जाता है और उसकी क्षुधा शान्त हो जाती है। उसे धन-सम्पत्ति, मान, प्रशंसा सब तुच्छ लगने लगते हैं।	2 2 2 4

हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')
प्रश्नपत्र - II
कक्षा- X
कोड-संख्या — 002

प्र०संख्या	खंड ' क '	अंक
1	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो शब्दों या एक-एक वाक्य में दीजिए :**	
	क) हिंदी का संबंध किस भाषा - परिवार से है ?	1
	(ख) भारतसंघ की राजभाषा का नाम लिखिए।	1
	(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी से क्या आशय है ?	1
	(घ) पहाड़ी हिंदी की दो बोलियों के नाम लिखिए।	1
2	**कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :**	
	क) उस ऊँचे भवन की ..... देखते ही बनती है।	1
	(रेखांकित शब्द की भाववाचक संज्ञा से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)	
	ख) पहला प्रश्न कीजिए ..... दूसरा।	
	(अव्यय से पूर्ति कीजिए)	1
	ग) इतिहास, विवाह ।	1
	(विशेषण बनाइए)	
	घ) हम नैनीताल घूमने गए।	2
	(रेखांकित का पद परिचय दीजिए)	
3	**निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :**	
	क) मुझे विश्वास है कि आप अवश्य आएँगे।	1
	(रेखांकित उपवाक्य का नाम बताइए)	
	ख) वाह ! कितना सुंदर दृश्य है !	1
	(अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)	
	ग) श्रीराम दशरथ के पुत्र थे। श्रीराम पिताजी की आज्ञा से वन को गए।	1
	(सरल वाक्य में बदलिए)	
	घ) वह दिल्ली जाएगा।	1
	(प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)	
4	i) श्लेष अथवा अतिशयोक्ति अलंकार का एक उदाहरण दीजिए।	1
	ii) निम्नलिखित पंक्तियों के रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :	3
	क) जो नत हुआ , वह मृत हुआ , ज्यों वृंत से झरकर कुसुम।	
	ख) काली घटा का घमंड घटा।	
	ग) बीती-विभावरी जाग री, अंबर पनघट में डुबो रही , ताराघट ऊषा नागरी।	
	खण्ड 'ख'	
5	**दिए गए बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग २०० शब्दों में निबंध लिखिए :**	8
	क) छात्र-अनुशासन —	

प्र०संख्या	खंड 'ख'	अंक
	(i) अनुशासन का अर्थ और महत्त्व (ii) अनुशासन की प्रथम पाठशाला-परिवार (iii) व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन के लिए अनुशासन आवश्यक (iv) अनुशासन एक महत्त्वपूर्ण जीवन-मूल्य **(ख) पर्यावरण-प्रदूषण-** (i) पर्यावरण का अर्थ (ii) प्रदूषण के कारण (iii) प्रदूषण के प्रकार एवं प्रदूषण का निवारण। **(ग) <u>परोपकार</u> :** (i) परोपकार का अर्थ (ii) परोपकार का महत्त्व (iii) परोपकार से प्राप्त अलौकिक सुख (iv) परोपकार के विविध रुप और उदाहरण (v) परोपकार में ही जीवन की सार्थकता। **(ध) <u>परिश्रम का महत्त्व</u> :** (i) संसार में आज जो भी ज्ञान-विज्ञान की उन्नति और विकास है, उसका कारण है परिश्रम (ii) परिश्रम करने में बुद्धि और विवेक आवश्क (iii) परिश्रम से मिलने वाले लाभ (iv) उपसंहार।	
6	**'जनगणना-विभाग'** को घर-घर जाकर सूचनाएँ एकत्रित करने वाले ऐसे युवाओं की आवश्यकता है, जो हिंदी और अंग्रेजी में भली-भाँति बात कर सकते हों और सूचनाओं को सही-सही दर्ज कर सकते हों। इसके साथ ही आवेदकों में विनम्रतापूर्वक बात करने की योग्यता भी होनी चाहिए। इस काम में अपनी रुचि प्रदर्शित करते हुए जनगणना - विभाग के सचिव को आवेदनपत्र लिखिए।	4
	अथवा	
	आपके मुहल्ले का डाकिया ठीक से डाक वितरित नहीं करता, आप इस संबंध में डाकपाल को एक शिकायती पत्र लिखिए।	
7	**निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग एक-तिहाई शब्दों में लिखिए :** भ्रष्टाचार के निवारण के लिए हमारी न्याय-व्यवस्था और दण्डनीति का निष्पक्ष, कठोर एवं समय - बद्ध होना आवश्यक है। न्याय में विलंब होने से जहाँ अपराधी की हिम्मत बढ़ जाती है, वही कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार आदमी का आचरण भी धीरे-धीरे दूषित होने लगता है, वह भी निर्भीक होकर भ्रष्टाचारियों की टोली का साथ देने को तैयार हो जाता है। तुरंत निरीक्षण और तत्क्षण निर्णय पर अमल की नीति अपनाकर भ्रष्टाचार-उन्मूलन का एक अन्य उपाय यह भी किया जाना चाहिए कि हर छोटा- बड़ा, सरकारी अथवा गैर सरकारी अधिकार-प्राप्त कर्मचारी अपना पद सँभालने से पहले अपनी संपत्ति की घोषणा कर दे। तदुपरांत प्रति दो वर्ष बाद जाँच हो कि क्या उसका व्यय उसकी आय के अनुपात से ही है अथवा उसे कहीं से अनुचित आय तो नहीं हुई ? दोषी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से दंडित किया जाए। इस प्रकार भ्रष्टाचार को धीरे-धीरे कम करने में सहायता मिलेगी।	3
	खण्ड 'ग'	
8	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** प्रकृति का संतुलन बिगाड़ने की दिशा में हम पिछले दो-तीन सौ वर्षों के दौरान इतना अधिक बढ़ चुके हैं कि अब पीछे हटना असंभव-सा लगता है। जिस गति से हम विभिन्न क्षेत्रों में प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ते रहे हैं, इसमें कोई भी व्यावहारिकता नहीं प्रतीत होती, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्थाएँ और दैनिक आवश्यकताएँ उस गति के साथ जुड़-सी गई हैं। क्या हमें ज्ञात नहीं कि जिसे हम अपना आहार समझ रहे हैं, वह वस्तुतः हमारा दैनिक विष है, जो सामूहिक आत्महत्या की दिशा में हमें लिए जा रहा है। जंगलों को ही लो! यह एक प्रकट तथ्य है कि विभिन्न देशों की वन-संपत्ति अत्यंत तीव्र गति से क्षीण होती जा रही है। भारत के विभिन्न	

प्र०संख्या	खंड 'ग'	अंक
	प्रदेशों,विशेषकर पूर्वांचल के राज्यों , तराई , उत्तर प्रदेश , हिमाचल प्रदेश , काश्मीर आदि के जंगल भारी संख्या में काटे जा रहे हैं , खूब अच्छी तरह यह जानते हुए भी कि जंगलों को काटने का मतलब होगा - भूमि को अरक्षित करना , बाढ़ों को बढ़ावा देना और मौसम के बदलने में सहायक बनना।	
	(i) उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
	(ii) हमारा आहार हमारा दैनिक विष कैसे है ?	1
	(iii) हमारी आवश्यकताएँ और अर्थव्यवस्थाएँ प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ने में कैसे सहायक हैं ?	1
	iv) जंगल कटने से हमें क्या हानियाँ हैं ?	1
9	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** ज्यों निकलकर बादलों की गोद से, थी अभी इक बूँद कुछ आगे बढ़ी। सोचने फिर-फिर यही जी में लगी, आह, क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी। देव, मेरे भाग्य में है क्या बदा, मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में। जल उठूँगी गिर अँगारे पर किसी, चू पड़ूँगी या कमल के फूल में। बह उठी उस काल इक ऐसी हवा, वह समंदर ओर आई अनमनी। एक सुंदर सीप का था मुँह खुला, वह उसी में जा गिरी, मोती बनी। लोग अकसर हैं झिझकते - सोचते, जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर। किन्तु घर का छोड़ना अकसर उन्हें, बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।	
	(i) बूँद द्वारा कहा गया 'आह !' शब्द किस भाव को व्यक्त करता है ?	1
	(ii) बूँद की चिन्ता का विषय क्या है ?	1
	(iii) कविता में बूँद के साथ किन लोगों की समानता दिखाई गई है ?	1
	(iv) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों से कवि क्या संदेश देता है ?	1
	खंड 'घ'	
10	**पाठ्य पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**	
	क) साँस उधार की है। जिंदगी उधार की है। अगर उत्सव-समारोह भी उधार से करें तो फर्क क्या पड़ता है ! अपना है ही क्या ! हलुआ हो अथवा हवाला ! फ्री का खाना उन्हीं के लिए है, जिनके पास खाने की इफ़रात है । पैसा पैसे को खींचता है और हलुआ, हलुए को।	
	(i) इस गद्यांश में किन पर व्यंग्य किया गया है और क्यों ?	2
	(ii) अंतिम वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।	2
	ख) जीवन को दर्शन शास्त्रियों ने बहुमुखी बताया है, उसकी अनेक धाराएँ हैं। सुना नहीं आपने	

प्र०संख्या	खंड 'घ'	अंक
	कि जीवन एक युद्ध है और युद्ध में लड़ना ही तो कोई एक काम नहीं होता। लड़ने वालों को रसद न पहुँचे , तो वह कैसे लड़ें ! किसान ठीक खेती न उपजाएँ तो रसद पहुँचाने वाले क्या करें और लो, जाने दो बड़ी-बड़ी बातें। युद्ध में जय बोलने वालों का भी महत्त्व है। (i) जीवन की तुलना युद्ध से क्यों की गई है? (ii) 'युद्ध में जय बोलने वालों का भी महत्त्व है ' इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।	 2 2
11	***'नींव की ईंट'*** पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए कि नींव की ईंट ने अंधकूपता किसलिए स्वीकार की ? अंधकूपता का आशय स्पष्ट करते हुए उत्तर दीजिए।	3
12	**'नाखून क्यों बढ़ते हैं'** पाठ के आधार पर बताइए कि मानव-धर्म क्या है ?	3
13	**'महामानव निराला'** पाठ में निराला जी के घर को 'तीर्थराज' क्यों कहा गया है ?	3
14	**'राजस्थान के एक गाँव की तीर्थयात्रा '** पाठ के आधार पर बताइए कि तिलोलिया की रात्रि पाठशालाओं की क्या विशेषता थी ?	3
15	आजकल साहित्यकारों के बीच क्या-कुछ घटित हो रहा है ? **'डायरी के पृष्ठों से'** पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।	3
16	ठंड के कारण हल्कू की कैसी दशा हो गई थी ? **'पूस की रात'** पाठ के आधार पर बताइए।	2
17	**निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** क) पर जब भी तुम अपने पुरुषार्थ - पराजित स्वत्व से मुझे पुकारते हो तब मैं अपने ग्राम्य देवत्व के साथ चिन्मयी शक्ति हो जाती हूँ। (प्रतिमा बन तुम्हारी आराध्या हो जाती हूँ) (i) 'पुरुषार्थ-पराजित स्वत्व ' से क्या अभिप्राय है ? (ii) मिट्टी कब चिन्मयी शक्ति का रूप धारण कर लेती है ? ख) कोटि मनोज लजावन हारे। सुमुखि कहहु को आहिं तुम्हारे।। सुनि सनेहमय मंजुल बानी। सकुचि सीय मन महुँ मुसुकानी। तिन्हहिं बिलोकि बिलोकति धरनी। दुहुँ संकोच सकुचत बर बरनी।। (i) प्रस्तुत पंक्तियों के आधार पर बताइए कि कौन, किससे क्या पूछ रहा है ? (ii) राम के संबंध में पूछे जाने पर सीता जी की मनःस्थिति का वर्णन कीजिए।	 2 2 2 2
18	**निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक का भाव-सौन्दर्य एवं शिल्प-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए:** क) अपने हृदय का सत्य अपने आप हमको खोजना। अपने नयन का नीर अपने आप हमको पोंछना ।। आकाश सुख देगा नहीं। धरती पसीजी है कहीं ? जिससे हृदय को बल मिले, है ध्येय अपना तो वही। सच हम नहीं, सच तुम नहीं। ख) अभी जैसे मंदिरों में चढ़ाकर खुशरंग फूल, ठंड से सीत्कारती घर में घुसी हो, और सोते देखकर मुझको जगाती हो- सिरहाने रख एक अंजलि फूल हरसिंगार के,	4+4

प्र०संख्या	खंड 'घ'	अंक
	नर्म ठंडी उंगलियों से गाल छूकर प्यार से !	
19	क) *'परशुराम की प्रतीक्षा'* के आधार पर बताएँ कि ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में उन्नति करने पर भी कवि मानव-जीवन को कब जीने योग्य नहीं मानता ?	3
	ख) *'वक्त'* कविता में कवयित्री ने आज के मनुष्य की किस प्रवृत्ति को लेकर खीज और लाचारी प्रकट की है और किस प्रकार ?	3
20	**हजारी प्रसाद द्विवेदी अथवा अज्ञेय के जीवन, उनकी भाषा-शैली एवं रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।**	**3**
21	क) *'समय परिवर्तनशील है'* — चातक ने यह क्यों कहा और चातक पुत्र ने इसका क्या अर्थ लगाया?	2
	ख) अपनी आत्मा का ह्रास किए बिना बंदी जीवन को किस प्रकार अनुकूल बनाया जा सकता है? सुभाष चन्द्र बोस का पत्र एन. सी. केलकर के नाम' पाठ के आधार पर लिखिए।	2
	ग) *'ऋण-शोध'* कहानी के आधार पर लिखिए कि विकास और बिट्टी आशुतोष काका को किस प्रकार परेशान किया करते थे ?	2
	घ) गोकुल भोल की मृत्यु किस प्रकार हुई थी ? उसके शहीद होने का ज़ेलर पर क्या प्रभाव पड़ा ?	4

अंक-योजना
हिंदी (पाठ्यक्रम- 'अ')
कक्षा - X
कोड संख्या - 002
प्रश्न-पत्र - II

आवश्यक निर्देश :

(i) परीक्षक प्रश्न के पूरे उत्तर को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

(ii) अंक - योजना के अनुसार प्रश्न के समस्त उत्तर-बिंदुओं को देखें और अंक - योजना में वितरित अंको के आधार पर ही परीक्षार्थी को अंक दें।

(iii) उत्तर के आरंभ की कुछ अस्पष्ट अथवा गलत पंक्तियों को पढ़कर ही पूरा उत्तर बिना पढ़े ही अनायास न काट दें। उत्तर सहानुभूतिपूर्वक पढ़ा जाए।

(iv) यदि परीक्षार्थी का उत्तर उसके स्तरानुसार पूरी तरह ठीक है तो उसे शत-प्रतिशत अंक दिए जाएँ।

प्र०संख्या	संभावित उत्तर - बिंदु	अंक
	खंड 'क'	
1	क) आर्य भाषा-परिवार	1
	ख) हिंदी	1
	ग) साहित्यक प्रयोग से भिन्न कार्यालयों, संचार माध्यमों तथा वैज्ञानिक क्षेत्रों में प्रयुक्त हिंदी का स्वरूप।	1
	घ) i. मंड़ियाली ii. कुमाऊँनी।	1/2+1/2= 1
2	क) ऊँचाई	1
	ख) अथवा	1
	ग) i) ऐतिहासिक ii) वैवाहिक	1/2+1/2= 1
	घ) i) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग कर्त्ता-कारक) ii) व्यक्ति वाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।	1+1=2
3	क) संज्ञा उपवाक्य	1
	ख) विस्मयादिबोधक वाक्य	1
	ग) दशरथ के पुत्र श्रीराम पिताजी की आज्ञा से वन को गए।	1
	घ) क्या वह दिल्ली जाएगा ?	1
4	i) दोनों में से कोई एक उदाहरण लिखने पर	1
	ii) क) उत्प्रेक्षा अलंकार	1
	ख) यमक अलंकार	1
	ग) रूपक अलंकार	1
5	i) **निबंध**–भूमिका	1
	ii) चार बिंदुओं का उपयुक्त विवेचन	1x4=4
	iii) उपसंहार	1
	iv) भाषा–शैली	2
6	**पत्र-लेखन** — औपचारिकताएँ	1
	विषय-वस्तु	2
	भाषा - शैली	1

प्र०संख्या	संभावित उत्तर बिंदु	अंक
7	**सार-लेखन** : न्याय-व्यवस्था निष्पक्ष, कठोर तथा तुरंत हो, तभी भ्रष्टाचार -उन्मूलन हो सकता है। न्याय या दंड में देरी से दुराचारी का साहस बढ़ता है और ईमानदार भी भ्रष्टाचारियों में जा मिलता है। फौरन जाँच और तुरंत निर्णय हो। प्रत्येक पदाधिकारी के लिए पद-ग्रहण से पहले अपनी संपत्ति की घोषणा अनिवार्य हो तथा प्रत्येक दो वर्ष के बाद जाँच हो कि उसका व्यय उसकी आय से अधिक तो नहीं।	3
8	i) *'प्राकृतिक संतुलन'* गद्यांश का शीर्षक हो सकता है अथवा अन्य कोई उपयुक्त शीर्षक स्वीकार करें। ii) प्रकृति के बिगड़े संतुलन के कारण हमारे भोज्य पदार्थ विषैले हो गए हैं। इन्हीं पदार्थों को हम प्रतिदिन खा रहे हैं, जिनसे हमारा स्वास्थ्य चौपट हो रहा है। iii) हमारी आवश्यकताएँ इतनी ज्यादा बढ़ गई हैं कि उनकी पूर्ति प्रकृति से ही संभव है और अर्थ व्यवस्था भी ऐसी हो गई है जो प्रकृति के दोहन के बिना स्तर तक नहीं पहुँचती। यही कारण है कि आवश्यकताएँ और अर्थव्यवस्थाएँ प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ने में सहायक हैं। iv) जंगल काटने से भूमि अरक्षित होती है; बाढ़ को बढ़ावा मिलता है और मौसम - चक्र बदल जाता है।	
9.	क) बूँद द्वारा कहा गया 'आह !' शब्द शोक (अफसोस) भाव को व्यक्त करता है। ख) बूँद की चिन्ता का विषय है - भविष्य। वह सोच रही है कि मैं बचूँगी भी या नहीं। ग) जो लोग घर छोड़ते हुए चिंतित रहते हैं। घ) घर छोड़ने के प्रति लेखक का दृष्टिकोण सकारात्मक है। उसका मानना है कि घर के छोड़ने और बाहर की संघर्ष भूमि में निकलने से हानि नहीं, अपितु कुछ न कुछ लाभ ही होता है।	1 1 1 1
10	क) उपयुक्त उत्तर पर पूरे अंक दें । ख) उपयुक्त उत्तर पर पूरे अंक दें ।	2+2=4 2+2=4
11	क) समाज और देश की भलाई के लिए तथा दूसरे साथियों की खुशहाली के लिए नींव की ईंट ने अपने आपको गुमनामी के अँधेरे में धकेलना मंजूर किया। नींव की ईंट अर्थात् बलिदान करने वाला गुमनाम देशप्रेमी जो आने वाली पीढ़ी को खुशहाल देखना चाहता है।	1½+1½=3
12	किसी से बैर-भाव न रखना, सत्य का आचरण करना, क्रोध न करना, बुरे आचरण पसन्द न करना ही मनुष्य का धर्म है।	3
13	तीर्थ-स्थान वह होता है, जहाँ आने वालों की मनोकामनाएँ पूरी होती हैं। निराला जी का घर सबके लिए खुला था। वहाँ छोटे-बड़े का कोई भेद नहीं था; इसलिए प्रसिद्ध साहित्यकारों से लेकर विद्यार्थी तक के लिए उनके द्वार खुले थे।	3
14	तिलोलिया में रात के समय पढ़ाई होती है। दिन में सभी लड़के-लड़कियाँ कार्यों में लगे रहते हैं ; जिसके कारण दिन में उन्हें पढ़ने का समय नहीं मिलता। ये सभी रात के समय पढ़ने पाठशाला आते हैं, इनकी सबसे बड़ी विशेषता है कि इनमें 70% लड़कियाँ पढ़ने आती हैं।	3
15	आजकल साहित्यकारों में एवं उनके साहित्य में भी राजनीति होती है। साहित्यकारों के अनेक दल हो गए हैं। साहित्य सम्मेलनों में अपनों को पुरस्कृत कराया जाता है। प्रतिभा का सम्मान नहीं होता, योग्यता धक्के खाती फिरती है। साहित्य समाज का दर्पण है, परन्तु वह ऐसे साहित्यकारों के साहित्य से धुँधला पड़ गया है।	3
16	हल्कू अत्यंत ठंड के कारण परेशान था। वह बार-बार करवट ले रहा था। उसे नींद नहीं आ रही थी। वह बार-बार चिलम भरकर पी रहा था। ठंडी हवा शरीर को शस्त्र की भाँति बींध रही थी। बार-बार आकाश को देख रहा था, ताकि कितनी रात्रि बची है, पता लगा सके। (कोई दो बिंदु लिखने पर)	2

प्र०संख्या	संभावित उत्तर बिंदु	अंक
17	क) i) जब मनुष्य अपने पराक्रम.परिश्रम से हारकर बैठ जाता है तथा जब उसे अपेक्षित परिश्रम का परिणाम नहीं मिलता तो इसे 'पुरुषार्थ पराजित स्वत्व' कहते हैं।	2
	ii) चिन्मयी शक्ति बनकर मिट्टी हारे हुए, शक्तिहीन पुरुष को पुनः शक्ति व उत्साह प्रदान करती है। उसे पुनः पुरुषार्थी बनाती है।	2
	ख) i) ग्राम-वधुएँ सीता जी से पूछ रहीं हैं कि वह जो सुन्दरता में करोड़ो कामदेवों को भी लज्जित कर रहे हैं, वे आपके कौन हैं? वे आपके क्या लगते हैं ?	2
	ii) सीता जी की मनः स्थिति बड़ी विचित्र है। उनके मन में संकोच है तथा वे मन ही मन मुस्करा रहीं हैं। वे कभी ग्रामीण नर-नारियों की ओर तो कभी संकोचवश धरती की ओर देखतीं हैं।	2
18	क) **भाव-सौन्दर्य एवं शिल्प सौंदर्य** - प्रस्तुत पंक्तियाँ जगदीश गुप्त की कविता 'सच है महज-संघर्ष' ही से ली गईं हैं। कवि का कहना है कि मानव को अपने ह्रदय में स्थित परमात्मा को स्वयं ही तलाश करना है ; कोई अन्य उसे नहीं खोज सकता। हमें कोई सुख नहीं दे सकता। हमारा जीवन - उद्देश्य वही होना चाहिए जिससे हमारे मन को शक्ति मिले। जीवन में संघर्ष करना ही सत्य है। 'नयन का नीर' का आशय है - अपने आँसू स्वयं ही पोंछना, अपने कष्ट स्वयं दूर करना। हमें किसी पर भी निर्भर नहीं रहना चाहिए। 'धरती पसीजी है कहीं'? में वक्रोक्ति और श्लेष-अलंकार, नयन का नीर में अनुप्रास, धरती और आकाश का मानवीकरण।	
	अथवा	
	ख) **काव्य सौन्दर्य एवं भाव सौन्दर्य** - कविता की इन पंक्तियों में कार्तिक मास की ठंडी हवाओं को वात्सल्यमयी माँ के रूप में देखा गया है। हवा का स्पर्श माँ के स्नेह एवं वात्सल्य की अनुभूति करा जाता है। कवि की कल्पना मनोरम, भावमयी और सरस है। कवि ने हवा का मानवीकरण किया है। अतः मानवीकरण अलंकार है। 'अभी जैसे जगाती हो' में उत्प्रेक्षा अलंकार है। मंद, सुगंध और पावन हवा में माँ का आरोप किया गया है। हरसिंगार के फूलों की कल्पना ने वातावरण में सजीवता एवं सुगंध का समावेश कर दिया है।	4+4=8
19	क) सबसे पहले अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करना अनिवार्य है। यद्यापि ज्ञान-विज्ञान में हमने उन्नति कर ली तो भी यदि अपनी रक्षा करने में हम समर्थ नहीं हो सके तो ऐसा जीवन जीने योग्य नहीं। सच्चा जीवन वह पुरुष ही जी सकता है, जो स्वतंत्रता के मूल्य को समझता है।	3
	ख) संवेदनशील मानव सदैव सुख-दुख, मान-अपमान को महसूस करता है। वह अपनों से प्रेम भी करता है और आवश्यकता पड़ने पर अपनों की सभी प्रकार से सहायता भी करता है। परिस्थति एवं माहौल का उन पर असर होता है।	3
20	जीवन-परिचय	1
	साहित्यिक परिचय	1
	रचनाओं के नाम (कोई दो)	1
21	क) समय परिवर्तनशील है। समय परिवर्तित होगा तो वर्षा होगी और तुम्हारी प्यास शान्त हो जाएगी। चातक पुत्र के अनुसार पुराने समय की तरह मेघ की प्रतीक्षा करना व्यर्थ है। समयानुसार हमें भी बदल जाना चाहिए और कहीं से भी अपनी प्यास बुझा लेनी चाहिए।	2
	ख) बंदी जीवन को अनुकूल बनाना आसान नहीं है। इसके लिए पुरानी आदतें छोड़कर स्वास्थ्य और स्फूर्ति बनाए रखनी होगी। दासवृत्ति ठुकराकर मानसिक संतुलन बनाए रखना चाहिए।	2
	ग) विकास और बिट्टी आशुतोष काका के ऊपर चढ़कर झूलते थे। वे दोनो उनके झीने कुर्ते में अपनी उँगलियाँ फँसाते थे और शिकायत की बात आने पर काका का ध्यान हटा देते थे।	2

प्र०संख्या	संभावित उत्तर बिंदु	अंक
	घ) गोकुल भोल का रोजाना जेल में 'इंकलाब जिन्दाबाद' के नारे लगाना। इससे जेलर ने उनका राशन आधा कर दिया। इसके विरोध में गोकुल भोल ने आमरण अनशन शुरु कर दिया। आमरण अनशन से हालत खराब होकर नारा लगाते हुए ही वह मर गया । गोकुल भोल के शहीद होने पर बाकी सभी कैदियों ने भी नारा लगाना शुरु कर दिया परन्तु गोकुल भोल का परिणाम सोचकर कैदियों के नारे की ओर जेलर ने ध्यान नहीं दिया।	4

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - I

कक्षा- X

हिंदी (पाठ्यक्रम 'बी ')

अधिकतम अंक - 100 **समय --- 3 घंटे**

निर्देश : इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं ------- 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'। चारों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है। यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्र०संख्या	प्रश्न	अंक
	खंड 'क'	
1	**क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में संधि कीजिए :**	2
	अति + आनन्द , सत् + मार्ग, परम + ईश्वर	
	ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में संधि-विच्छेद कीजिए :	2
	जगन्नाथ , उच्छिन्न, रवीन्द्र	
2	**निम्नलिखित पदों में से किन्हीं दो का विग्रह कीजिए और समास का भेद भी लिखिए :**	4
	अकालपीड़ित , महादेव , त्रिभुवन , यथासमय	
3	**निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :**	
	क) शब्द और पद का अंतर उदाहरण-सहित स्पष्ट कीजिए।	2
	ख) वर्षाऋतु में <u>काले-काले</u> मेघ <u>समस्त</u> आकाश पर <u>धीरे-धीरे</u> घिर आते हैं।	2
	(रेखांकित पदों में से किन्हीं दो के पद-भेद लिखिए)	
	ग) (i) किरणें वृक्षों की <u>चोटियों पर</u> क्रीड़ा करने लगीं।	1
	(रेखांकित का कारक लिखिए)	
	(ii) <u>उस नाटक में अभिनेता ने</u> सुंदर अभिनय किया।	1
	(रेखांकित में वचन बदलकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए।)	
	(iii) विद्वान , सम्राट् (लिंग बदलकर लिखिए)	1
	घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो में वाच्य-परिवर्तन कीजिए :	2
	(i) मैं पढ़ नहीं सकता। (ii) उसने भोजन कर लिया है। (ii) मुझसे सहा नहीं जाता।	
4	**क) रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए :**	
	(i) शिक्षक ने बताया कि कल विद्यालय बंद रहेगा।	1
	(ii) रातभर शोर होता रहा और मैं सो न सका।	1
	ख) अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए :	
	(i) ओह ! कैसे काले-काले मेघ घिर आए !	1
	(ii) मुझे वह पुस्तक उठाकर दो।	1
	ग) निम्नलिखित वाक्यों को एक सरल वाक्य में बदलिए :	2
	(i) वर्षा हुई।	
	(ii) ठंडी-ठंडी हवा बहने लगी।	

प्र०संख्या	प्रश्न	अंक
	घ) वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए :	
	(i) मैने हस्ताक्षर कर दिया।	1
	(ii) सदा सत्य बोलना उसकी आदत था।	1
	ङ) उपयुक्त विरामचिह्न लगाइए :	2
	हे राष्ट्रभक्तो मृत्यु का भय मिथ्या है कर्तव्य में प्रमाद करना पाप है	
	संकोच और दुविधा अभिशाप है	
	खंड - 'ख'	
5	**संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए :**	**10**
	क) **समय बहुमूल्य है :**	
	(i) बीता समय लौटकर नहीं आता	
	(ii) सफलता के लिए ठीक समय का चुनाव अपेक्षित	
	(iii) एक-एक क्षण का उपयोग सफलता की कुंजी	
	(iv) समय का सदुपयोग करने वाले, कुछ सफल लोग	
	(v) उपसंहार (काल्ह करै सो आज कर सूक्ति से) अथवा अन्य किसी उपयुक्त ढंग से।	
	ख) **मेरा देश महान :**	
	(i) प्रस्तावना - प्राचीन सभ्य देशों में अग्रगण्य	
	(ii) अद्‌भुत प्राकृतिक सौन्दर्य	
	(iii) गौरवशाली इतिहास	
	(iv) सभी धर्मों और संस्कृतियों की भूमि	
	(v) उपसंहार (अद्‌भुत है मेरा देश)	
	ग) **दया धर्म का मूल है :**	
	(i) तुलसी का दोहा - दया धर्म का मूल है , पाप मूल अभिमान।	
	(ii) संसार के हर धर्म में दया और करुणा पर बल।	
	(iii) परोपकार की भावना ही सबसे बड़ी मनुष्यता।	
	(iv) कुछ दयालु महापुरुषों के उदाहरण	
	(v) उपसंहार (सामाजिक कर्तव्यों में दया का सर्वोत्तम स्थान)	
6	मित्र को उसके जन्मदिन पर शुभकामना पत्र लिखिए।	5
	अथवा	
	अपने कार्यालय के महाप्रबंधक को पारस्परिक सहमति के आधार पर स्थानान्तरण कराने के लिए पत्र लिखिए।	
	खंड - 'ग'	
7	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :**	
	जब मैं वैयक्तिक और सामाजिक व्यवहार में अपनी भाषा के प्रयोग पर बल देता हूँ, तब निश्चय ही मेरा तात्पर्य यह नहीं है कि व्यक्ति को दूसरी अथवा विदेशी भाषाएँ सीखनी नहीं चाहिए। नहीं, आवश्यकता, अनुकूलता, अवसर और शक्ति के अनुसार अनेक भाषाएँ सीखनी चाहिए तथा उनमें से एकाधिक में विशेष दक्षता भी प्राप्त करनी चाहिए; द्वेष किसी भी भाषा से नहीं करना चाहिए; क्योंकि किसी भी प्रकार के ज्ञान की उपेक्षा करना उचित नहीं है; किन्तु प्रधानता सदैव अपनी ही भाषा और	

प्र०संख्या	प्रश्न	अंक
	उसके साहित्य को देनी चाहिए ; क्योंकि अपनी संस्कृति, अपने समाज और अपने देश का सच्चा विकास और कल्याण केवल अपनी भाषा के व्यवहार द्वारा ही संभव है। ध्यान रखिए --- ज्ञान-विज्ञान, धर्म-राजनीति, तथा लोक-व्यवहार के लिए सदैव लोकभाषा का प्रयोग ही अभीष्ट है। अपने देश, अपने समाज और अपनी भाषा की सेवा तथा अभिवृद्धि करना सभी तरह से हमारा परम कर्तव्य है।	
	(i) उपर्युक्त गद्यांश को उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
	(ii) अपनी भाषा के अतिरिक्त दूसरी भाषाएँ भी क्यों सीखनी चाहिए ?	1
	(iii) तुलनात्मक रूप में अपनी ही भाषा को महत्त्व क्यों दिया जाना चाहिए ?	1
	(iv) भाषाओं के अध्ययन और उनके प्रयोग में हमें क्या सावधानी बरतनी चाहिए ?	1
8	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :** संकटों से वीर घबराते नहीं , आपदाएँ देख छिप जाते नहीं। लग गए जिस काम में, पूरा किया, काम करके व्यर्थ पछताते नहीं। हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता , कर्मवीरों को न इससे वास्ता। बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले, कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले। कठिन पथ को देख मुस्काते सदा, संकटों के बीच वे गाते सदा। है असंभव कुछ नहीं उनके लिए, सरल-संभव कर दिखाते वे सदा। यह असंभव कायरों का शब्द है, कहा था नेपोलियन ने एक दिन। सच बताऊँ, जिंदगी ही व्यर्थ है, दर्प बिन, उत्साह बिन, औ शक्ति बिन।	
	(i) कविता में वीरों की जिन विशेषताओं पर बल दिया गया है, उनमें दो प्रमुख विशेषताएँ क्या-क्या हैं?	1
	(ii) कर्मवीरों को किस बात से कोई लेना-देना नहीं होता और क्यों?	1
	(iii) किन विशेषताओं के बिना जीवन व्यर्थ है और क्यों?	1
	(iv) नेपोलियन ने क्या कहा था? उससे क्या प्रेरणा मिलती है?	1
	खण्ड 'घ'	
9	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** यह 'जागना' सारी चिंता का मूल है। जागना अर्थात् विवेक के साथ सोचना। निस्संदेह, मनुष्य ने अपने-आपके लिए 'महती विनष्टि' के साधन ढूंढ लिए हैं और वह बड़ी तेजी से महानाश की ओर दौड़ पड़ा है। यह भयंकर दु:संवाद है। परन्तु साथ ही मनुष्य की जिस बुद्धि ने यह सारा साज-सामान तैयार किया है, वह जाग भी रही है। मनुष्य के हृदय में पीड़ा है, तड़प है, यह आशा की बात है। यदि पीड़ा है तो आशा भी है।	
	(i) 'जागना' ही सारी चिंता का मूल है'– कैसे?	1
	(ii) लेखक का संकेत किस महानाश की ओर है, जिसकी तरफ मनुष्य तेजी से दौड़ रहा है?	2
	(iii) 'यदि पीड़ा है तो आशा भी है'– वाक्य को स्पष्ट करके समझाइए।	2

प्र०संख्या	प्रश्न	अंक
10	(क) 'कब्रिस्तान में पंचायत' पाठ में लेखक ने क्यों कहा है कि कब्रिस्तान वह जगह है, जहां सारी पंचायतें खत्म हो जाती हैं?	3
	(ख) 'भारत में गुरु-शिष्य संबंध का वह भव्य रूप आज भी विद्यमान है'– 'भारत में गुरु-शिष्य संबंध' पाठ के आधार पर इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।	3
11	'इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर' पाठ भारतीय पुलिस व्यवस्था पर एक करारा व्यंग्य है'– कैसे? तर्क सहित अपने विचार व्यक्त कीजिए। **अथवा** 'उत्सवधर्मी महादेवी' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक के लिए होली के अवसर पर महादेवी जी के घर पर आयोजन में शामिल होना सुखद स्मृति क्यों है?	5
12	(क) 'स्वराज्य की नींव' एकांकी के आधार पर महारानी लक्ष्मीबाई की किन्हीं दो प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	2
	(ख) 'पादुका पूजन' कहानी के आधार पर बताइए कि बहुत-सा काम करने पर भी चाचा 'निकम्मे' क्यों माने जाते थे?	2
13	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** क्या घड़ी थी एक भी चिंता नहीं थी पास आई, कालिमा तो दूर, छाया भी पलक पर थी न छाई। आंख से मस्ती झपकती, बात से मस्ती टपकती, थी हंसी ऐसी जिसे सुन बादलों ने शर्म खाई। वह गई तो ले गई उल्लास के आधार, माना, पर अथिरता पर समय की मुस्कराना कम मना है!	
	(i) कवि और कविता का नामोल्लेख कीजिए।	1
	(ii) उपर्युक्त पंक्तियों में 'कालिमा' और 'छाया' का प्रयोग निराशा के भाव को व्यक्त करने के लिए हुआ है। आशा और उल्लास के भाव को व्यक्त करने वाली दो पंक्तियों का चुनाव कीजिए।	2
	(iii) 'पर अथिरता पर समय की मुस्कराना कम मना है'- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।	2
14	कविवर बालकृष्णराव की कविता 'और भी हैं' का प्रतिपाद्य लागभग साठ-सत्तर शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	4
15	**किसी एक काव्यांश का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए:** उड़ गया, अचानक लो, भूधर, फड़का अपार वारिद के पर। रव-शेष रह गए हैं निर्झर, है टूट पड़ा भू पर अंबर। **अथवा** श्याम तन, भर बंधा यौवन, नत नयन प्रिय, कर्म-रत मन, गुरु हथौड़ा हाथ, करती बार-बार प्रहार– सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।	3
16	'तरुण से' कविता के आधार पर लिखिए कि युवकों की जीवन-धारा जड़-चेतन को किस प्रकार तृप्त करती है?	3

प्र०संख्या	प्रश्न	अंक
17	**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए:** (क) पहली रात हत्यारे बिना काम किए क्यों लौट आए? 'हत्यारों की वापसी' कहानी के आधार पर लिखिए। (ख) 'वारिस' कहानी के आधार पर बताइए कि पुत्र का कौन-सा आचरण पिता की इच्छा के विपरीत था? (ग) 'प्रतिशोध' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। **अथवा** 'प्रतिशोध' कहानी के आधार पर बताइए कि महाबलिपुरम कोई बड़ी नगरी क्यों नहीं बन पाई?	2+2+2
18	अन्तरिक्षयान को लेकर क्या योजना बनाई गई थी? 'पार नजर के' कहानी के आधार पर लिखिए।	5
19	'किसी ने गलती की है और ये उम्र कैद की सजा भुगत रहे हैं'- 'वारिस' कहानी के आधार पर पिता के संबंध में मां के इस कथन का औचित्य समझाइए।	4